भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. 2029

सोमवार, 13 मार्च, 2023/22 फाल्गुन, 1944 (शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

मध्य प्रदेश में जल पर्यटन को बढ़ावा

2029. श्री गजेन्द्र उमराव सिंह पटेलः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार द्वारा मध्य प्रदेश में जल पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए किसी योजना पर विचार किया जा रहा है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार निजी क्षेत्र के माध्यम से पर्यटन अवसंरचना के विकास के प्रयोजनार्थ एक भूमि-बैंक और विरासती संपत्तियों का बैंक स्थापित कर रही है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) स्वदेश दर्शन योजना के अंतर्गत मध्य प्रदेश के किन-किन नए स्थानों का विकास किया जा रहा है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(घ) क्या अन्तर्राज्यीय पर्यटकों को बढ़ावा देने के लिए कोई नई योजना प्रस्तावित है और तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यटन मंत्री (श्री जी. किशन रेड्डी)

(क): पर्यटन का संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकार/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासन का उत्तरदायित्व है। तथापि, पर्यटन मंत्रालय समग्र रूप से भारत का संवर्धन करता है। यह मध्य प्रदेश राज्य में रिवर क्रूज़, जल क्रीड़ाओं आदि सहित विभिन्न पर्यटन गंतव्यों और उत्पादों का नियमित रूप से संवर्धन करता है।

मध्य प्रदेश राज्य में स्वदेश दर्शन योजना के तहत स्वीकृत परियोजनाओं में से एक अर्थात् गांधीसागर बांध – मंडलेश्वर बांध – ओंकारेश्वर बांध – इंदिरा सागर बांध – तवा बांध – बरगी बांध – भेड़ाघाट – बाणसागर बांध - केन नदी का विकास में चयनित बांधों और जलाशयों के समीप बहु घटकों का विकास शामिल है।

पर्यटन मंत्रालय क्रूज पर्यटन और नदियों के साथ क्रूज़िग सहित पर्यटन के विकास के लिए राज्य सरकारों/संघ राज्यक्षेत्र प्रशासनों/केंद्रीय सरकार की एजेंसियों को केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है।

इसके अतिरिक्त जैसाकि पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय द्वारा बताया गया है कि भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण (आईडब्ल्यूएआई) द्वारा परिवहन के लिए विकसित अवसंरचना जिसमें फेयरवे, टर्मिनल, जेट्टी, नेविगेशन सहायता आदि शामिल हैं, का उपयोग नदी पर्यटन ऑपरेटरों द्वारा भी किया जाता है। आईडब्ल्यूएआई राष्ट्रीय जलमार्गों पर क्रूज़/नदी पर्यटन के लिए एक तकनीकी सुविधाप्रदाता की भूमिका निभाता है।

(ख): पर्यटन अवसंरचना विकसित करने के उद्देश्य से एक लैंड बैंक तथा विरासत संबंधी संपत्ति बैंक स्थापित करना प्रमुख रूप से सम्बद्ध राज्य सरकारों/ संघ राज्य क्षेत्रों का उत्तरदायित्व है।

पर्यटन मंत्रालय स्वदेश दर्शन, प्रशाद और केन्द्रीय एजेंसियों को सहायता योजनाओं के तहत देश में पर्यटन अवसंरचना तथा सुविधाओं के विकास हेतु राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों/केन्द्रीय एजेंसियों को वित्तीय सहायता प्रदान करता है।

पर्यटन मंत्रालय ने पूरे भारत में फैले विरासत/प्राकृतिक/पर्यटक स्थलों पर पर्यटन सुविधाओं के विकास के लिए वर्ष 2017 में "एक विरासत अपनाएं: अपनी धरोहर, अपनी पहचान" परियोजना शुरू की है। इस परियोजना का लक्ष्य निजी क्षेत्र से कंपनियों, ट्रस्टों, एनजीओ, व्यक्तियों और अन्य हितधारकों को 'स्मारक मित्र' बनने के लिए प्रोत्साहित करने और सीएसआर के तहत एक स्थायी निवेश के मॉडल के अनुसार अपनी रूचि और व्यवहार्यता के अनुरूप इन स्थलों पर मूलभूत तथा उन्नत पर्यटक सुविधाओं के विकास और उन्नयन की जिम्मेदारी लेने के लिए प्रोत्साहित करना है। वे इन स्थलों के संचालन और अनुरक्षण का भी ध्यान रखेंगे।

(ग): पर्यटन मंत्रालय ने अपनी स्वदेश दर्शन योजना के तहत मध्य प्रदेश राज्य में चार परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान की है । इन परियोजनाओं का विवरण अनुबंध में दिया गया है।

मंत्रालय ने एसडी 2.0 के रूप में स्वदेश दर्शन योजना को अब परिवर्तित किया है। ग्वालियर और चित्रकूट को एसडी 2.0 योजना के तहत इसकी विकास के लिए चिह्नित किया गया है।

(घ): मंत्रालय अपनी "आतिथ्य सहित घरेलू संवर्धन और प्रचार" (डीपीपीएच) योजना के तहत इसकी विभिन्न पहलों के माध्यम से घरेलू पर्यटन को बढ़ावा देता है।

*****

अनुबंध

मध्य प्रदेश में जल पर्यटन को बढ़ावा के संबंध में दिनांक 13.03.2023 के लोक सभा के लिखित प्रश्न सं. 2029 के भाग (ग) के उत्तर में विवरण

पर्यटन मंत्रालय की स्वदेश दर्शन योजना के तहत मध्य प्रदेश राज्य में स्वीकृत परियोजनाओं का विवरण।

(राशि करोड़ रु. में)

क्र. सं.	परिपथ/स्वीकृति वर्ष	परियोजना का नाम	स्वीकृत राशि	जारी की गई राशि	भौतिक स्थिति (%)
1.	वन्यजीव परिपथ 2015-16	पन्ना - मुकुंदपुर – संजय – डुबरी – बांधवगढ़ – कान्हा – मुक्की - पेंच में वन्यजीव परिपथ का विकास	92.10	86.31	पूर्ण
2.	बौद्ध परिपथ 2016-17	सांची – सतना – रीवा – मंदसौर - धार का विकास	74.02	72.75	पूर्ण
3.	विरासत परिपथ 2016-17	ग्वालियर - ओरछा - खजुराहो - चंदेरी - भीमबेटका - मांडु का विकास	89.82	89.49	पूर्ण
4.	इको परिपथ 2017-18	गांधीसागर बांध - मंडलेश्वर बांध - ओंकारेश्वर बांध - इंदिरा सागर बांध - तवा बांध - बरगी बांध – भेड़ाघाट - बाणसागर बांध - केन नदी का विकास	93.76	89.08	पूर्ण
		कुल	349.70	337.63	

*****